Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ______________________

   (Name) ______________________

2. (Signature) ______________________

   (Name) ______________________

OMR Sheet No. : ....

(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. ______________________

(In words)

Test Booklet No.

J—8509

PAPER—II

KONKANI

Time : 1¼ hours] **[Maximum Marks : 100**

Number of Pages in this Booklet : **16** Number of Questions in this Booklet : **50**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the Test Booklet Number should be entered in the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (A), (B), (C) and (D). You have to darken the oval as indicated below on the correct response against each item.

   Example : (A) (B) ⬬ (D)

   where (C) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the Answer Sheet given **inside the Paper I booklet only**. If you mark at any place other than in the ovals in the Answer Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your name or put any mark on any part of the test booklet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the test question booklet and OMR Answer Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
   (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका की क्रम संख्या OMR पत्रक पर अंकित करें और OMR पत्रक की क्रम संख्या इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (A), (B), (C) तथा (D) दिये गये हैं। आपको सही उत्तर के दीर्घवृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है।

   उदाहरण : (A) (B) ⬬ (D)

   जबकि (C) सही उत्तर है।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पत्र I के अन्दर दिये गये** उत्तर-पत्रक पर ही अंकित करने हैं। यदि आप उत्तर पत्रक पर दिये गये दीर्घवृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिन्हांकित करते है, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें।
8. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर प्रश्न-पुस्तिका एवं OMR उत्तर-पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
12. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

KONKANI

कोंकणी

PAPER – II

प्रश्नपत्र - II

Note: This paper contains **fifty (50)** objective type questions, each question carrying **two (2)** marks. Attempt all the questions.

नोट : इस प्रश्नपत्र में पचास (50) बहु–विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दें।

सुचोवणी : हें प्रस्नपत्र शंबर (100) गुणांचें. हातूंन पन्नास (50) भौपर्याची प्रस्न आसात. दर एका प्रस्नाक दोन (2) गूण दवरल्यात. सगळया प्रस्नांच्यो जापो दिंवच्यो.

1. पांडुरंग भांगी आनी एस्.एस्. नाडकर्णी हांणी खंयच्या कोशाचें संकलन केलां?

(A) 'कोंकणी म्हणीसागर'

(B) 'कोंकणी शब्दसागर'

(C) 'कोंकणी म्हण्यासरु'

(D) 'कोंकणी शब्दकाश'

2. 'कोंकणीची व्याकरणीक बांदावळ' ह्या पुस्तकाची प्रस्तावना हांतल्या खंयच्या माथाळ्यान बरयल्या?

(A) 'इदुली वाटुली'

(B) 'निवेदन'

(C) 'सामान्य वांचप्यांक'

(D) 'दोन उतरां'

3. 'नवरंगी फूल' ही लोकांकाणी खंयच्या संकलनांतली?

(A) 'नागशेराचे सूर'

(B) 'कोंकणी लोककाणयो'

(C) 'राजरत्नां'

(D) 'काणी काणी कोतवा'

4. कवितेच्यो वळी आनी कवी हांच्यो जोडयो लायात

(1) व्हडें आलतडी लाय/म्हाका पलतडी पाय — (5) शणै गोंयबाब

(2) धुंद वाऱ्यार दर्याल्हारार — (6) बाकीबाब बोरकार

(3) गोड म्हजें गोंय सुंदर म्हजें गोंय — (7) उदय भेंब्रो

(4) अशें तें कशें लागच्यादी पिशें समजूंक आशेलो — (8) मनोहर राय सरदेसाय

(9) चा. फ्रा. द. कोश्ता

(A) 1-6, 2-7, 3-5, 4-9

(B) 1-5, 2-8, 3-6, 4-5

(C) 1-7, 2-9, 3-5, 4-6

(D) 1-9, 2-8, 3-6, 4-7

5. 'दाल्गाद ऑन कोंकणी' हें पुस्तक कसलें ?

(A) कोंकणी भाशेच्या इतिहासाचें

(B) कोंकणी चळवकीच्या इतिहासाचें

(C) शब्दकोशाचे प्रस्तावनेचे

(D) व्याकरणाच्या नेमांचे मखलाशीचें

6. काशिनाथ श्रीधर नायक हांकां शणै गोंयबाब 'कोंकणीचो अशोक' म्हणटाले कित्याक–

(A) तेन्नाची कोंकणीची परिस्थिती पळोवन तांकां भोवच शोक जातालो, देखून.

(B) कोंकणीच्या प्रसाराखातीर ते सम्राट अशोकावरी वावुरताले देखून.

(C) शणै गोंयबाबाची कोंकणी अस्मिताय तांकांच लागून फुलूंकपावली देखून.

(D) कोंकणी भाशेविशींची तांची उमेद अशोकाच्या रन्खावरी पांचवीचार असताली देखून.

7. कोंकणी सेवा केंद्र, कुडचडें हांतलो खंयचो पुरस्कार दिता?

(A) 'गोमन्त शारदा' पुरस्कार

(B) 'जनगंगा पुरस्कार'

(C) 'साहित्य प्रकाश' पुरस्कार

(D) 'साहित्य रत्न' पुरस्कार

8. वाक्प्रचार आनी तांचो अर्थ हाच्यो जोडयो लायात.

(1)	गोठ करप	(5)	फटी डलोवप
(2)	मूस मारप	(6)	पैसो एकठांय करप
(3)	कांटो काडप	(7)	बेकार आसप
(4)	भास दिवप	(8)	मारुन उडोवप
		(9)	उतर दिवप

(A) 1-6, 2-7, 3-8, 4-9

(B) 1-7, 2-8, 3-5, 4-9

(C) 1-5, 2-7, 3-8, 4-9

(D) 1-8, 2-7, 3-6, 4-5

9. शणै गोंयबाबांच्या मत्तान भाशेची एकूच लिपी थारांवक जाय, कित्याक–

(A) ताका लागून सगळे लोक बरे साहित्य रचूंक पावतले.

(B) ताका लागून आमगेली भास एकरूपी जावन ती घसघशीत वाडूंक पावतली.

(C) ताका लागून देशाभायर आशिलये कोंकणे आपणालें योगदान दिवंक पावतले.

(D) ताका लागून कोंकणीक देश–विदेशांत नामना आनी तस्त्रीपो फाव जातल्यो.

10. उजवाडावणेच्या वर्साप्रमाण हांतल्या पुस्तकांचो फावो तो क्रम खंयचो?

(A) कोंकणी ललित निबंद, पांयजेल, यमन, मनू.

(B) मनू, पांयजेल, कोंकणी ललित निबंद, यमन.

(C) यमन, मनू, कोंकणी ललित निबंद, पांयजेल.

(D) मनू, कोंकणी ललित निबंद, यमन, पांयजेल.

11. अंदूची (2007) टी.एम्.ए. पै पुरस्कृत साहित्यकृती खंयची?

(A) 'गांठवल' (B) 'पोको' (C) 'माटोळी' (D) 'समर्पण'

12. 'जें हावें बरयलां तें म्हजें, म्हज्यांतलें जें बऱ्यांतले बरें आसा, तेंच हावें उतरांच्या कुरवांनी तुमच्या मुखार दवरला' हें कोणे आनी कित्या संबंदान म्हळां?

(A) फ्रान्सिस बेकन आनी आपउग्तावणीचें बरप (B) शणै गोंयबाब आनी व्याकरणासंबंदीचें बरप

(C) मिकेळ मोंतेन आनी निबंद लेखन (D) रॉकी मिरांडा आनी भासेविशींचें बरप

13. हांतली बरोवपी आनी कृती हांची बरोबर जोडी खंयची?

(A) 'तीन दसकां' – श्याम बेरेंकार (B) 'आमोरी अमुरपिकी'–रोमिओ आल्मैदा

(C) 'गीतोत्सव' – मुकेश थळी (D) 'कोंबो गेलो तारवार' – दत्ताराम सुखठणकार

14. कृती बरोवपी आनी साहित्यप्रकार हांच्यो योग्य जोडयो वेंचात.

(1) 'जानिया सेली'	(5) हनुमन्त चोपडेकार	(10) कविता
(2) 'कावळयाचें स्राद्ध'	(6) बोवेंतुर पियात्रु	(11) नवलकाणी
(3) 'हम होंगे कामयाब'	(7) अरुण साखरदांडो	(12) निबंद
(4) 'स्टॅयस्कोप'	(8) दोभिकाजी घाणेकार	(13) नाटक
	(9) उमाकान्त राताबोली	(14) इतिहास

(A) 1-6-11, 2-7-10, 3-5-13, 4-9-12

(B) 1-7-12, 2-5-13, 3-6-10, 4-9-14

(C) 1-8-10, 2-6-12, 3-8-14, 4-5-11

(D) 1-5-13, 2-8-12, 3-7-14, 4-9-10

15. हांतुतलो खंयचो बरोवपी नाटक आनी कथा रचता?

(A) दिलीप बोरकार (B) एन् शिवदास (C) ऑलिविन्यु गॉमिश (D) उदय भेंब्रो

16. अखिल भारतीय कोंकणी परिशदेच्या २६ व्या अधिवेशनाचे अध्यक्ष हांतले कोण?

(A) पाव्लु मोरास (B) गोकुळदास प्रभु

(C) शांताराम नायक (D) बस्ती वामन शणै

17. 'म्हाका आदीं म्हजीच भास सारकी शिकची आसा' अशें फा–एच्.ओ. माश्कारेन्ज्य म्हणटात कित्याक–

(A) तांचे तेदेवेळार चडशें शिकप जावंक नाशिललें.

(B) फादराक आपणाल्या इगजैंत कोंकणीतल्यान मिसाचें प्रवचन दिवपाचें आशिल्लें

(C) देवनागरी लिपयेचो प्रसार करपाचो तांचो हावेस आशिल्लो.

(D) रोमांतल्या धर्मकुळाचो सेक्रेटरी ताका आपणाक संस्कृत भास शिकोवपाखातीर आग्रोकरुंक लागलो.

18. १६ व्या आनी १७ व्या शेंकडयाआदीच गोंयचो कांय लोक गोंयाभायर, चड करुन केरळांत बी वचून रावलो, कित्याक–

(A) तांच्या अस्तित्वाचेर गोंयात हावळ आयिलली

(B) आपलो वेपार उद्योग वाडोवपाखातीर

(C) तांच्या मनांत कोंकणी भाशेचो प्रसार थंय करपाचो आसलो

(D) तेन्ना थंयच्या कोंकणी लोकांखातीर देवळां बांदपापासत

19. हातूंतलें खंयचें वाक्य बरोबर आसा?

(A) देवनागरी लिपयेंतल्या चडशा कुरवांचो उच्चार दोन तरांनी मेळटा.

(B) 'पिसोळी' हो कवितांचो झेलो निखटे देवनागरी लिपयेंत उजवाडून आयला.

(C) 'वें चिक कोंकणी एकांकी' आनी 'कोंकणी काव्यसंग्रह' हे दोनूय झेले कोंकणी भाशा मंडळान उजवाडायल्यात.

(D) 'फ' आनी 'च' ह्या कुरवांचोच उच्चार दोन तरांनी जाता.

20. 'विश्व कोंकणी सरदार' ही पदवी हांतल्या कोणाक दिल्या?

(A) बस्ती वामन शणै

(B) पद्विभूषण रविंद्र केळेकार

(C) पद्मश्री र.वि. पंडित

(D) पद्मश्री बाकीबाब बोरकार

21. दत्ता नायक ह्या लेखकाचें हांतलें खंयचें पुस्तक कोंकणीतल्यान बरयिल्लें ना?

(A) 'कालीघाट ते करुणाघाट' (B) 'अरेबियन डेज'

(C) 'आत्मदीपो भव' (D) 'जाय काय जूय?'

22. संस्कृत आलांकारिकं आनी तांचो काळ हांचो फावो तो क्रम लायात.

(i) मम्मट ; (ii) वामन ; (iii) दण्डी ; (iv) आनंदवर्धन ; (v) क्षेमेद्रं

(A) (iv), (iii), (ii), (i), (v) (B) (iii), (ii), (iv), (v), (i)

(C) (i), (ii), (iii), (v), (iv) (D) (iii), (i), (iv), (v), (ii)

23. व्याकरणाचे नदरेन फाव त्यो जोडयो लायात.

(1)	हांव नुस्तें खातां	(5)	पयलो पुरुश एकवचन
(2)	तुमीं नुस्तें खातात	(6)	तिसरो पुरुश भौवचन
(3)	ती नुस्तें खाता	(7)	तिसरो पुरुश एकवचन
(4)	तें नुस्तें खातात	(8)	दुसरो पुरुश भौवचन
		(9)	पयलो पुरुश भौवचन

(A) 1-5, 2-8, 3-7, 4-6

(B) 1-6, 2-5, 3-8, 4-7

(C) 1-5, 2-7, 3-6, 4-8

(D) 1-9, 2-8, 3-7, 4-5

24. 'वनवाळ्याचो मळो' ह्या ग्रंथाचें वर्णन खंयच्या प्रकारांत करुं येता?

(A) कोंकणीतलें पयलें मौलिक गद्य बरप

(B) कोंकणीतलो पयलो संतचरित्र ग्रंथ

(C) कोंकणीतलो पयलो वयलो बायबलाचो अणकार

(D) कोंकणीतलो पयलो स्पॅनिश भारोंतलो अणकारित ग्रंथ

25. जोडयो लायात.

(1)	लच्छमन खूबचंदाणी	(5)	बाजारी हिंदीचें संशोधन
(2)	जॉर्ज एब्रॅहम ग्रियर्सन	(6)	तुलनात्मक वांङमयविदयेचो अभ्यास करपी पयलो भारतीय
(3)	के.एस्. राज्यश्री	(7)	मराठी भाशेचे घडणेचो इतिहासिक अभ्यासक
(4)	रामकृष्ण गोपाळ भांडारकार	(8)	भारतीय भाशा सर्वेक्षण
		(9)	भारतांतले डायग्लॉसियेचेर वावर

(A) 1-9, 2-8, 3-5, 4-6

(B) 1-7, 2-8, 3-6, 4-9

(C) 1-8, 2-6, 3-5, 4-7

(D) 1-5, 2-9, 3-7, 4-8

26. सकयल्या घडणुकांची फावो तो क्रम वेंचात.

(i) इंकिजिसांव

(ii) जेजुइतोक पोर्तुगेज साम्राज्यां तल्यान धांवडायले

(iii) कोंकणीचें मर्णाचें फर्मान

(iv) कोंकणीच्या छापखान्याची गोंयात स्ययापणूक

(A) (ii), (iv), (iii), (i)

(B) (iii), (i), (ii), (iv)

(C) (iv), (i), (iii), (ii)

(D) (i), (iii), (iv), (ii)

27. हांतलें खंयचे विधान बरोबर?

(A) कोंकणीत स्वरांभितल्लो लांब आनी मोटवो हो फरक स्वनिमींक आसा.

(B) कोंकणीत व्यंजनाभितल्लो लांब आनी मोटवो हो फरक स्वनिमींक न्हय.

(C) कोंकणीत स्वराभितल्लो लांब आनी मोटवो हो फरक स्वनिमींक न्हय.

(D) कोंकणीत स्वरा आनी व्यंजना भितल्लो लांब आनी मोटवो हो फरक स्वनिमींक न्हय.

28. श्रवणबेळगोळांतल्या शिलालेखाचें वर्स खंयचें?

(A) 1117 इसवी सन्　　(B) 1116 इसवी सन्

(C) 1216 इसवी सन्　　(D) 1106 इसवी सन्

29. हांतले खंयचे लिपयेक अक्षरीक लिपी म्हणटात?

(A) चिनी　　(B) रोमी　　(C) देवनागरी　　(D) फारसी

30. 'A History of Konkani Literature' हें पुस्तक खंयचे संस्थेन उजवाडायलां?

(A) गोवा कोंकणी अकादेमी　　(B) अस्मिताय प्रतिष्ठान

(C) साहित्य अकादेमी　　(D) विश्व कोंकणी साहित्य अकादेमी

31. भास आनी संदर्भ ह्या नात्याचो अभ्यास करपी भास विज्ञानाच्या फांटयाक कितें म्हणटात?

(A) भाशेचें समाजविज्ञान　　(B) समाजभास विज्ञान

(C) शैलीविज्ञान　　(D) मानसभासविज्ञान

32. नामाचो हेर शब्दांकडेन आयिल्लो संबंध जो अये दाखयता ताका किदें म्हणटात?

(A) कारकार्थ　　(B) लक्ष्यार्थ　　(C) तदार्थ　　(D) तात्पयार्थ

33. लोकधर्मी आनी नाट्यधर्मीची मांडावळ कोणे केली?

(A) मम्मट (B) भरत (C) आनंदवर्धन (D) जगन्नाथ

34. पेद्रु कुर्रैय आफोंस हो खंयच्या मंडळाचो पयलो अध्यक्ष आशिल्लो?

(A) अखिल भारतीय कोंकणी परिशद (B) गोवा कोंकणी अकादेमी

(C) कोंकणी अस्मिताय केंद्र (D) कोंकणी भाशा मंडळ

35. 'आमीं आमगेलें पुर्विल्लें भूत साप्प विसरल्यात---' हें विधान शणै गोंयबाबाच्या खंयच्या बरपांतले?

(A) 'येवकार अध्यक्षांले उलोवप' (B) 'ऐनवेळार'

(C) 'कोंकणी भाशेचे जैत' (D) 'गोंयकाराली गोंयाभायली वसणूक'

36. कृती आनी तांचे रचपी हांचो मेळ घालात.

(1) मोगाची महिमा (5) सु.म. तडकोडकार

(2) एक कृष्ण कळी (6) वी.जे.पी. सालदान्य

(3) किरवंट (7) प्रकाश पाडगांवकार

(4) सर्ग घडपाक धर्तरेचो (8) जेस फॅर्नांन्डीस

(9) माया खरंगटे

(A) 1-9, 2-5, 3-6, 4-7

(B) 1-6, 2-9, 3-5, 4-8

(C) 1-6, 2-5, 3-8, 4-7

(D) 1-5, 2-7, 3-6, 4-9

37. हांततलो खंयचो पर्याय बरोबर आसा?

(i) 'गाठवल' हे साहित्यकृतीक 2007 वर्साचो साहित्य अकादमीचो पुरस्कार फावो जाला.

(ii) 'रात थोडी संवगां चड' हें अ.ना. म्हांबरो हांचें बरप.

(iii) 'प्रकाश वजरीकाराचें 'दवरणें' साहित्यकृतीक गोवा कोंकणी अकादेमीचो पुरस्कार फावो जाला.

(iv) र.वि. पंडितावेलो मोनोग्राफ दो.सु.म. लडकोडकार हांणी बरयला.

(A) (i) आनी (iii) बरोबर

(B) (ii) आनी (iv) बरोबर

(C) (iii) आनी (iv) बरोबर

(D) (iv) आनी (i) बरोबर

38. अणकार आनी अणकारपी हांची कावती जोडी लायात.

(1)	'अरण्याचो अधिकार'	(5)	सुरेश आमोणकार
(2)	'अच्छेव'	(6)	माधवी सरदेसाय
(3)	'एका विचाराची जिवीतकथा'	(7)	विद्या पै
(4)	'धम्मपद'	(8)	कस्तुरी देसाय
		(9)	ऑलविन गॉमिश

(A) 1-9, 2-6, 3-5, 4-7

(B) 1-8, 2-7, 3-6, 4-5

(C) 1-9, 2-5, 3-6, 4-8

(D) 1-7, 2-8, 3-9, 4-6

39. हांतलीं खंयचीं विधानां बरोबर आसात?

(i) भाशीक कालनिर्णय ही इतिहासिक भासविज्ञानाची पद्धत

(ii) इतिहासिक भासविज्ञान म्हळयार फकत तुलनात्मक अभ्यासाची पद्धत

(iii) इतिहासिक भासविज्ञान मुळावे उतरावकीच्याय आदारान भास बदलाचो थाव घेता.

(iv) इतिहासिक भासविज्ञानांत भाशिक पुनर्रचणुकेचो आसपाव जायना.

(A) (i) आनी (iii)

(B) (ii) आनी (iii)

(C) (iii) आनी (iv)

(D) (ii) आनी (iv)

40. सकयल्या विधानांचो योग्य तो पर्याय वेंचून काडात.

(i) 'व्हांवती न्हंय काळाची' हो प्रकाश पाडगांवकाराचो सगळयात नवो कवितांचो झेलो.

(ii) 'कोंकणी म्हणीचें संकलन' हें डॉ. जयंती नायकांचें सगळयांत नवें संकलित पुस्तक आसा

(A) (i) बरोबर (ii) चूक

(B) (i) आनी (ii) बरोबर

(C) (i) चूक (ii) बरोबर

(D) (i) आनी (ii) चूक

हो उतारो वाचून, ताचे सकयल दिलया प्रस्नांच्यो जापो बरोंवच्यो.

निजाच्या नुस्तेकाराक उदक केन्नाच बादिकाराक पडना. जावं सावें, जावं खारें, वा जावं पावसाचें, तो केन्नाच वेळाकाळाचें भान दवरचो ना. नुस्त्याची सुवात दुसऱ्याक. चुकून लेगीत सांगचो ना. एक दीस नुस्त्यान चक्रायलो जाल्यार खीणभर निरशेतलो, पूण फाल्यांचेर जबर विस्वास दवरुन जियेतलो. ताका मेळिल्लमा नुस्त्याची खबर दुसऱ्याक सांगतना तो केन्नाच सारकी सांगचो ना वा दुपेटीनूय सांगचो ना. तो तीन अर्देलीन सांगतलो. पालू मेळ्ल्यार पालकुटी म्हूण सांगतलो. शिवोड मेळयार वागी म्हणटलो. किरकोळ नग मेळ्ळ्यार गांवांतल्यान लांबयत हाडून दुःखाचें प्रदर्शन करतलो; पूण चडशें सावल्यार सदची वाट बदलून आडवाटेंतल्यान येवन मागीलदारसून घर्रात रिगतलो. रान्नीर नुसतें चडसर आपणाली खोस धापून दवरतलो आनी मागीर शेळयो खबरी लोकांक सांगतलो.

41. निजाच्या नुस्तेंकाराक उदक केन्नाच बादिकाराक पडना, हाचो अर्थ–

(A) कसल्याय उदकांत नुस्तें मारूंक केन्नाच देंवलो म्हुण खरेलया नुस्तेकाराचे बलायकेचेर वायट परिणाम जायना.

(B) उदक नुस्तेकाराचें पोट, ताची ताका कसली बादा?

(C) उदक नुस्तेकाराक केन्ना निराश जावंक दिना.

(D) सावें, खारें वा पावसाचें–सगल्या तरांच्या उदकाकडेन जाची इश्टागत तोच खरेलो नुस्तेकार.

42. निजाचो नुस्तेकार आपणाक मेळिल्ल्या नुस्त्याची खबर हेरांक कसो सांगतलो?

(A) दुपेट करून

(B) मेळ्ळां ताचे परस उणें सांगून

(C) तिखट–मीठ लावन

(D) मेळ्ळां तें सगळें खरें खरें सांगून

43. हांतलें खंयचें विधान बरोबर?

(A) नुस्त्याची सुवात दुसऱ्याक सांगल्यार नुस्ते चक्रायता अशें निजाच्या नुस्तेकाराक दिसता.

(B) नुस्तेकार आपणाली निर्शेवणी गांवार केन्नाच धालचो ना, ती लिपोवन दवरतलो.

(C) निजाचो नुस्तेकार खीणभर निर्शेलो तरी तो आशावादीच आसता.

(D) नुस्तेकाराक पालू मेळ्ळयार लेगीत ताचें केन्ना समाधान जायना, ताका ती पालकुटीच दिसता.

44. किरकोळ नग मेळ्ळयार नुस्तेकार तो गांवांतल्यान लांबयत कित्याक हाडटा?

(A) नुस्तें किरकोळ आसूं वा व्हडलें, नुस्तेकाराक तें साविल्ल्याची खोस तितलीच आसता.

(B) नुस्तेकाराक आपणाक साविलल्या नुस्त्याचें प्रदर्शन करूक आवडटा.

(C) व्हडलो नग सावलो आनी तो गांवांतल्या लोकांनी पळेलो जाल्यार तांची दिश्ट लागत म्हूण तो भियेता

(D) आपणालें दुःख दाखोवप पूण खोस धांपून दवरप हो नुस्तेकाराचो सभाव.

45. नुस्तेकार कसल्यो शेळयो खबरी लोकांक सांगता?

(A) आपणाल्या दुःखाच्यो

(B) आपणे सदची वाट बदलून सोदून काडिल्ये आडवाटेच्यो

(C) आपणे मारून हाडून रांदून खालच्या बऱ्या नुस्त्याच्यो

(D) आपणे सोदून काडिलये नुस्त्याचे नवे सुवातेच्यो

46. प्रकाशनाचे नदरेन हया पुस्तकांचो योग्य क्रम खंयचो?

(A) भारतीय साहित्य विचार, प्रस्न, श्रीविचित्राची जाग, लिटररी कोंकणी, कोंकणी सरस्पतीचो इतिहास.

(B) श्री विचित्राची जात्रा, कोंकणी सरस्पतीचो इतिहास, लिटररी कोंकणी, प्रस्न, भारतीय साहित्य विचार.

(C) भारतीय साहित्य विचार, कोंकणी सरस्पतीचो इतिहास, प्रस्न, लिटररी कोंकणी, श्री विचित्राची जात्रा.

(D) लिटररी कोंकणी, भारतीय साहित्य विचार, कोंकणी सरस्पतीचो इतिहास, प्रस्न, श्री विचित्राची जात्रा.

47. 'भास आमगेली संस्कृताय घडयता, इतलेंच न्हय तर सैमाक लेगीत ती आपणालें फास्केंत घालता' ह्या मत्ताच्या आधाराचेर सकयलें खंयचें विधान बरोबर आसा?

(A) भास आमकां दाखयता तोच खरेलो संवसार.

(B) मानशाचो पुराय संवसार हो खरेपणानशीं भाशेचोच संवसार.

(C) मनशाक भाशेभायर दुसरो संवसारच नासता.

(D) मनशां मनशां मदलें मुळावें सारकेंपण ताच्या भाशीक गिन्यानाचे बुनयादीर उबें आसता.

48. कथा आनी पात्रां हांची योग्य जोडी खंयची?

(A) धुस्मटमार – शेवंतु (B) शारपिशें – मंजरी

(C) नवें – शंकर (D) पुण्याय – रुक्मिण

49. संपादपी आनी संकलन हांची फावो ती जोडी खंयची?

(1) कोंकणी ललित निबंद (5) पुंडलिक नायक

(2) कथा अरुण (6) शाम वेरेंकार

(3) तीन दसकां (7) दो. तानाजी हळर्णकार

(4) समकालीन कोंकणी लघुकथा (8) सु.म. तडकोडकार

(9) चंद्रकान्त केणी

(A) 1-7, 2-8, 3-5, 4-6

(B) 1-6, 2-5, 3-7, 4-9

(C) 1-6, 2-8, 3-9, 4-5

(D) 1-6, 2-9, 3-8, 4-5

50. हांतुतली खंयची साहित्यकृती समीक्षा शास्त्यांतली कृती न्हय?

(A) 'आस्वादन'

(B) 'कोंकणी साहित्य मंजिरी : 'आस्वादन आनी नियाळ'

(C) 'नारदीय भक्तिसूत्रां'

(D) 'साहित्य–स्वाध्याय'

- o O o -

Space For Rough Work